भारत सरकार

कारपोरेट कार्य मंत्रालय

लोकसभा

अतारांकित प्रश्न संख्या. 2474

(सोमवार, 04 अगस्त, 2025/13 श्रावण, 1947 (शक) को उत्तर के लिए)

उत्तर-पूर्व में आईआईसीए क्षेत्रीय परिसर

2474. श्री बलभद्र माझीः

श्री खगेन मुर्मुः

क्या **कारपोरेट कार्य** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) शिलांग में भारतीय कारपोरेट कार्य संस्थान (आईआईसीए) के क्षेत्रीय परिसर की स्थापना के मुख्य उद्देश्य क्या हैं;
(ख) शिलांग परिसर व्यापार सुगमता और आत्मनिर्भर भारत जैसे राष्ट्रीय लक्ष्यों में किस प्रकार योगदान देगा;
(ग) क्या इस क्षेत्रीय केंद्र के लिए प्रशिक्षण और अनुसंधान के किसी विशिष्ट डोमेन/क्षेत्र सम्बन्धी योजना बनाई गई है; और
(घ) यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

कारपोरेट कार्य मंत्रालय में राज्य मंत्री और सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय में राज्य मंत्री।

(श्री हर्ष मल्होत्रा)

(क) और (ख): पीएम-डिवाइन योजना के तहत मेघालय के शिलांग में भारतीय कारपोरेट कार्य संस्थान (आईआईसीए) के एक क्षेत्रीय परिसर की स्थापना को स्वीकृति दी गई थी, जिसका मुख्य उद्देश्य पूर्वोत्तर क्षेत्र (एनईआर) में पर्यावरण, सामाजिक और शासन (ईएसजी) कार्यप्रणाली, कौशल संवर्धन, कारपोरेट प्रशासन जैसे क्षेत्रों को आगे बढ़ाकर क्षेत्र में सामाजिक विकास को बढ़ावा देना है।

(ग) और (घ): पूर्वोत्तर क्षेत्र में आईआईसीए शिलांग के उद्देश्यों के लिए सहयोग और सहायता को मजबूत करने के लिए, आईआईसीए और निम्नलिखित संस्थानों के बीच समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए:

1. मेघालय प्रशासनिक प्रशिक्षण संस्थान (एमएटीआई)

2. भारतीय प्रबंधन संस्थान (आईआईएम), शिलांग
3. सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया (एसटीपीआई)
4. द इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया (आईसीएआई)
5. द इंस्टीट्यूट ऑफ कंपनी सेक्रेटरीज ऑफ इंडिया (आईसीएसआई)
6. द इंस्टीट्यूट ऑफ कॉस्ट अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया (आईसीएमएआई)
7. नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी एंड ज्यूडिशियल अकादमी, असम

इसके अतिरिक्त, अपनी पहलों के एक भाग के रूप में, आईआईसीए शिलांग ने पूर्वोत्तर क्षेत्र में अपने कार्यकलापों का आरंभ निम्नानुसार किया है: -

(i) "विचार से निगमन तक" विषय पर "आईआईसीए एनईआर कॉन्क्लेव 2025" नामक एक सम्मेलन 11-12 जुलाई, 2025 को आईआईसीए शिलांग में आयोजित किया गया। इस सम्मेलन में स्टार्ट-अप निगमन एवं नियामक मार्गदर्शन, इनक्यूबेशन और नवाचार मॉडल आदि पर सत्र आयोजित किए गए।

(ii) 29-31 जुलाई 2025 तक "जेम के माध्यम से खरीद को निर्देशित करना, खरीद एकीकरण, विकल्प और रणनीतिक विकल्प" पर क्षमता निर्माण कार्यक्रम।

(iii) कारपोरेट प्रशासन, अनुपालन और डीपीई दिशानिर्देशों पर 28 जुलाई 01 अगस्त 2025 से सीपीएसई के डीजीएम और जीएम पर लक्षित आईआईसीए-डीपीई कार्यक्रम आयोजित करना ।

*****